प्रतिदर्श प्रश्न पत्र

संकलित परीक्षा - 2 (२०१६ - २०१७)

कक्षा - दसवीं

पाठ्यक्रम -हिंदी 'अ'

निर्धारित समय - ३ घंटे   अधिकतम अंक - ९०

समान्य निर्देश

1. इस प्रश्नपत्र में चार खंड हैं - क, ख, ग और घ
2. चारों खंडो के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः दीजिए

खंड क   अंक 20

(अपठित अंश)

१. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर के सही विकल्प छांटकर लिखिए   1x5=5

मनुष्य में विनय, उदारता, कष्ट - सहिष्णुता, साहस आदि चारित्रिक गुणों का विकास अत्यावश्यक है । इन गुणों का प्रभाव उसके जीवन पर पड़ता है । ये गुण व्यक्ति के जीवन को अहंकारहीन तथा सदा सरल बनाते हैं । सादा जीवन या सादगी का अर्थ है - रहन सहन, वेश भूषा और आचार-विचारों का एक निर्दिष्ट स्तर । जीवन में सादगी लाने के लिए दो बातें विशेष रूप से करणीय हैं - प्रथम कठिन से कठिन परिस्थिति में धैर्य को न छोड़ना और द्वितीय अपनी आवश्यकताओं को न्यूनतम बनाना । सादगी का विचारों से भी घनिष्ठ संबंध है । हमें सादा जीवन जीना चाहिए और अपने विचारों को उच्च बनाए रखना चाहिए । व्यक्ति की सच्ची पहचान उसके विचारों और करनी से होती है। मनुष्य के विचार उसके आचरण पर प्रभाव डालते हैं और उसके विवेक को जागृत करते हैं । विवेकशील व्यक्ति ही अपनी आवश्यकताओं को

सीमित रखता है **और** उन्हें अपने ऊपर हावी **नहीं** होने देता । सादा जीवन व्यतीत करने वाले को कभी हतप्रभ होकर अपने आत्मसम्मान पर आंच नहीं आने देनी चाहिए। सादगी मनुष्य के जीवन का अंग है, वह बाहरी चीज **नहीं** है। महात्मा गांधी सादा जीवन पसंद करते थे और हाथ के कते और बुने खद्दर के मामूली वस्त्र पहनते थे, किंतु अपने उच्च विचारों के कारण वे संसार में वंदनीय हो गए।

i) सादगी का आधार क्या होना चाहिए?

क) धैर्य और न्यूनतम आवश्यकता ।

ख) खादी को महत्व देना ।

ग) उच्च विचार रखना ।

घ) अहंकारहीनता और सहजता ।

ii) विवेकशील व्यक्ति की प्रमुख पहचान क्या है?

क) खादी के वस्त्र पहनता है।

ख) भेदभाव नहीं करता।

ग) अपनी आवश्यकताओं को सीमित रखता है।

घ) ऊँचाई के साथ संबंध रखता है।

iii) 'कष्ट सहिष्णुता' का आशय है ?

क) कष्टकारिता।

ख) कष्टप्रियता ।

ग) सहनशीलता ।

घ) कष्ट सहने की आदत।

iv) गांधीजी संसार में क्यों वंदनीय हुए ?

क) नेता होने का कारण।

ख) अपने उच्च विचारों के कारण।

ग) खद्दर के मामूली वस्त्र पहनने के कारण।

घ) संस्कारी होने के कारण।

v) 'अनुदारता' शब्द का विलोम शब्द है -

क) उदारता।

ख) सहजता।

ग) अनुत्साह।

घ) उदासीनता।

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर के सही विकल्प छांटकर लिखिए 1x5=5

एक दिन आकाशवाणी मे एक परिचर्चा हो रही थी कि क्या इंटरनेट और इसी तरह की अन्य तकनीकें पुस्तकालय को पूरी तरह खत्म कर देंगी? भारत में पुस्तकालयों की दशा वैसे भी ज्यादा अच्छी नहीं है। दशा तो पुस्तकों की भी कहां अच्छी है, छोटे शहरों को तो छोडिए, बड़े शहरों में भी आपको ऐसी दुकान नहीं मिलेगी जहां आप मनपसंद किताब ढूंढ सकें। दरअसल

किताब की या किसी भी अन्य वस्तु की दुकान आपको खरीदने का ही नहीं, देखने का भी सुख देती है । आप सब्जी बाजार जाए और खरीदें भले ही ज्यादा न, पर हरी भरी ताजी, रंग- बिरंगी सब्जियों के रंग-रुप गंघ का साहचर्य आपको एक खास तरह का सुख प्रदान करता है। किताब की दुकान मे भी ऐसा ही होता है । खरीदें आप भले एक ही किताब (या एक भी नही) पर सैंकडों हजारों किताबो के बीच होने का उन्हे देखने - छूने का सुख अवर्णनीय होता है। बशर्तै ऐसी दुकान हो। दुकान न सही, पुस्तकालय ही सही। बल्कि वहां तो यह अपराध बोध भी नहीं होता कि इतनी देर में कुछ भी नहीं खरीदा। भारत में आर्थिक कटौती की गाज सबसे पहले पुस्तकालय पर ही गिरा करती है। बार - बार पुस्तकालयों के बजट में कटौती कर हमने उन्हें लगभग निष्प्राण ही बना डाला है। जन चेतना के अभाव की वजह से इसका कोई प्रतिरोघ भी नही होता। सार्वजनिक पुस्तकालय ही नहीं, शिक्षण संस्थाओं के पुस्तकालय भी इस नासमझी भरी कटौती के शिकार हुए हैं।

(i) आकाशवाणी पर परिचर्चा का विषय क्या था ?

क) पुस्तकालयों की दशा अच्छी नहीं है।

ख) पुस्तकों की दशा ज्यादा अच्छी नहीं है।

ग) इंटरनेट जैसी अन्य तकनीक पुस्तकालयों को खत्म कर देगी ।

घ) पुस्तकालयों को इन्टरनेट से लाभ होगा ।

(ii) किताबों की दुकान के लिए लेखक ने उदाहरण दिया है ।

क) मिठाई की दुकान का ।

ख) फलों की दुकान का ।

ग) सब्जियों की दुकान का ।

घ) सब्जी बाजार का ।

(iii) "रंग रूप गंध का सहचर्य" यहाँ सहचर्य शब्द का अर्थ है

क) सहयोग करना ।

ख) साथ रहना ।

ग) मदद करना ।

घ) सहायता करना।

(iv) पुस्तकालय में लेखक को कौन सा सुख अवर्णनीय है ?

क) रंग रूप गंध के सहचर्य का सुख ।

ख) सैंकडों हजारों किताबों के बीच होने का सुख ।

ग) सैंकडों हजारों किताबों को देखने का सुख ।

घ) सैंकडों हजारों किताबों को खरीदने का सुख ।

(v) आर्थिक कटौती की गाज सबसे पहले किस पर गिरी है ?

क) बाजार की वस्तुओं पर ।

ख) लेखक के विचारों पर ।

ग) भारत के पुस्तकालयों पर ।

घ) जनचेतना पर ।

3. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प छांटकर लिखिए 1x5=5

धर्मराज, सन्यास खोजना कायरता है मन की,

है सच्चा मनुजत्व ग्रंथियां सुलझाना जीवन की।

दुर्लभ नहीं मनुज के हित, निज व्यक्तिक सुख पाना,

किन्तु कठिन है कोटि कोटि मनुजों को सुखी बनाना।

आशा के प्रदीप को जलाए चलो धर्मराज,
एक दिन होगी मुक्त भूमि रण भीती से,
भावना मनुष्य की न राग में रहेगी लिप्त,
सेवित रहेगा नहीं जीवन अनीति से,
हार से मनुष्य की न महिमा घटेगी और
तेज न बढेगा किसी मावन का जीत से,
स्नेह बलिदान होंगे माप नरता के एक
धरती मनुष्य की बनेगी स्वर्ग प्रीति से।

(i) कवि ने 'मन की कायरता' किसे माना है?

क) अहिंसा ।

ख) सन्यास ।

ग) असत्य ।

घ) गरीबी ।

(ii) काव्यांश में सर्वाधिक कठिन कार्य क्या बताया गया है ?

क) शासन चलाना ।

ख) युद्ध मे विजय पाना ।

ग) मानव जाति को सुखी बनाना ।

घ) सन्यास लेना ।

(iii) मानवता की माप किससे की जाएगी ?

क) स्नेह तथा बलिदान से ।

ख) सम्पन्नता से ।

ग) शक्ति से ।

घ) आधुनिकता से ।

(iv) किस बात के लिए कवि आशान्वित है ?

क) स्नेह बलिदान समाप्त होंगे ।

ख) धरती और स्वर्ग की दूरी मिट जाएगी।

ग) व्यक्ति स्वयं का विकास करेगा ।

घ) धरती युद्ध के भय से मुक्त होगी।

(v) वैयक्तिक शब्द में कौन से प्रत्यय है ?

क) क ।

ख) तक ।

ग) इक।

घ) इत।

4. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उतर के सही विकल्प छांटकर लिखिए 1x5=5

जड़ दीप तो देकर हमें आलोक जलता आप है,

पर एक हममें दूसरे को दे रहा संताप है।

क्या हम जड़ों से भी जगत में है गए बीते नहीं?

हे भाइयों ! इस भांति तो तुम थे कभी जीते नहीं।

हमको समय को देखकर ही नित्य चलना चाहिए,

बदले हवा जब जिस तरह हमको बदलना चाहिए।

विपरीत विश्व प्रवाह के निज नाव जा सकती नहीं,

अब पूर्व की बातें सभी प्रस्ताव पा सकती नहीं।

है बदलता रहता समय, उसकी सभी बातें नई।

कल काम में आती नहीं हैं आज की बातें कई

है सिद्धि मूल यही कि जैसा प्रकृति का रंग हो।

तब ठीक वैसा ही हमारा कार्य कृति का ढंग हो

(i) दीपक की विशेषता है।

क) वह जड होता है।

ख) वह अपने आप ही जलता है ।

ग) वह मिट्टी से बनता है ।

घ) वह कष्ट सहकर दूसरों को प्रकाश देता है ।

(ii) कवि मनुष्य को बेजान पदार्थो से भी हीन क्यों बता रहा है ?

क) मनुष्य स्वार्थी है ।

ख) दूसरों को दुख देता है ।

ग) दूसरों को सुख देता है ।

घ) झगडालू है ।

(iii) कवि मनुष्य को समय के साथ चलने की प्रेरणा किस लिए दे रहा है ?

क) परम्परा के निर्वाह करने के लिए ।

ख) प्रशंसा प्राप्त कने के लिए ।

ग) उन्नति के लिए ।

घ) आधुनिकता के लिए ।

(iv) विश्व प्रवाह द्‌वारा कवि का संकेत किस ओर है ?

क) विश्व की प्रसिद्ध सभ्यताओं का लुप्त होना ।

ख) विश्व पर अमेरिका का प्रभाव ।

ग) विज्ञान के कारण होने वाले परिवर्तन ।

घ) प्राकृतिक आपदाओं का प्रभाव।

(v) मनुष्य की कार्य-कृति का ढंग कैसा होना चाहिए ?

क) अपनी आवश्यकता के अनुसार ।

ख) अपने सामर्थ्य के अनुसार ।

ग) अपनी स्वार्थ सिद्धि के अनुसार ।

घ) समाज में हो रहे परिवर्तनों के अनुसार ।

खंड ख   अंक 15

(व्यावहारिक व्याकरण)

5. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए   1x3=3

क) जो व्यक्ति परिश्रमी होते हैं, उनके लिए कुछ भी असंभव नहीं है। (सरल वाक्य में बदलिए)

ख) शिक्षक के कक्षा में आते ही छात्र चुप हो गए। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

ग) बाग़ में मोहन, रवि को देखकर बहुत आश्चर्यचकित हुआ । (संयुक्त वाक्य मे बदलिए)

6. निम्नलिखित वाक्यों में वाच्य परिवर्तन कीजिए   1x4=4

क) सरकार द्वारा लोक कलाकारों का सम्मान किया गया (कर्तृ वाच्य)

ख) प्रेरणा कभी चुप नहीं बैठती। (भाव वाच्य)

ग) मैने प्रेमचंद का उपन्यास गोदान पढा। (कर्म वाच्य)

घ) तुम पढ नहीं सकते। (भाव वाच्य)

7. रेंखाकित पदों का पद परिचय लिखिए   1x4=4

क) कल हमने <u>ताजमहल</u> देखा।

ख) <u>यह</u> पुस्तक किसकी है।

ग) श्याम <u>की अपेक्षा</u> गौरव अधिक योग्य निकला।

घ) <u>शाबाश</u> ! तुमने बहुत अच्छा काम किया।

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उतर निर्देशानुसार लिखिए   1x4=4

क) 'रसराज' किसे कहा जाता है।

ख) क्रोघ, जुगुप्सा क्रमश: किन रसों के स्थायी भाव हैं।

ग) 'वीर रस' से संबंधित काव्य पंक्तियां लिखिए।

घ) रस के अंगो (अवयव) के नाम लिखिए।

खंड ग **अंक 35**

(पाठ्य पुस्तक)

9. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उतर लिखिए

अजमेर से पहले पिताजी इंदौर में थे जहां उनकी बडी प्रतिष्ठा थी, सम्मान था, नाम था। कांग्रेस के साथ-साथ वे समाज सुधार के कामों से भी जुडे हुए थे। शिक्षा के वे केवल उपदेश ही नही देते थे, बल्कि उन दिनो आठ-आठ, दस-दस विद्यार्थियों को अपने घर रखकर पढाया है जिनमें से कई तो बाद में ऊंचे ऊंचे ओहदो पर पहुंचे। ये उनकी खुशहाली के दिन थे और उन दिनो उनकी दरियादिली के चर्चे भी कम नही थे। एक ओर वे बेहद कोमल और संवेदनशील व्यक्ति थे तो दूसरी ओर बेहद क्रोधी और अहंवादी ।

क) अजमेर से पहले लेखिका के पिता कहां रहते थे? वहां उनकी समाज में क्या स्थिति थी? 2

ख) शिक्षा के क्षेत्र में लेखिका के पिताजी ने क्या काम किया ? 2

ग) लेखिका के पिताजी के स्वभाव में क्या विरोघाभास था? 1

10. ऩिम्नलिखित प्रश्नों के उतर संक्षेप में लिखिए 2x5=10

क) द्विवेदी जी ने स्त्री के संदर्भ में कौन सी और किस बात को सोलह आने मिथ्या कहा है?

ख) लेखक ने अविष्कर्ता और अविष्कृत चीज के मध्य क्या संबंध बताया है? संस्कृति पाठ के आधार पर उतर दीजिए

ग) बिस्मिल्ला खां कला के अनन्य उपासक थे, तर्क सहित उतर दीजिए

घ) 'स्त्री शिक्षा के विरोधी कुतर्कों का खंडन' पाठ का मूल संदेश क्या है ?

ड) बिस्मिल्ला खां के व्यक्तित्व की कौन कौन सी विशेषताओं ने आपको प्रभावित किया ?

11. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए

कभी कभी वह यों ही देता है उसका साथ

यह बताने के लिए कि वह अकेला नहीं है

और यह कि फिर से गाया जा सकता है

गाया जा चुका राग

और उसकी आवाज में जो एक हिचक साफ सुनाई देती है

या अपने स्वर को ऊंचा न उठाने की जो कोशिश है

उसे विफलता नहीं

उसकी मनुष्यता समझा जाना चाहिए

क) कभी कभी कौन किसका साथ यों ही दे देता है 1

ख) संगतकार की आवाज में हिचक क्यों सुनाई देती है 2

ग) संसार में इस प्रकार की 'मनुष्यता' की क्या उपयोगिता है 2

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए 2x5=10

क) मां ने वस्त्रों और आभूषणों को क्या और क्यों कहा है?

ख) लक्ष्मण ने वीर योद्धाओ की क्या क्या विशेषताएं बताई है?

ग) 'छाया मत छूना' कविता के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है

घ) कन्यादान कविता के संदर्भ मे बताइए कि वर्तमान समाज में स्त्रियों की क्या स्थिति है?

ड) परशुराम अपने फरसे के बारे में क्या कहते हैं। उनके कथन से उनके स्वभाव की किस विशेषता का पता चलता है?

13. देश के प्राकृतिक स्थानों के सौंदर्य का आनंद लेते समय अधिकांश सैलानी वहां के पर्यावरण को दूषित कर देते हैं। इस नैसर्गिक सौंदर्य की सुरक्षा में आप अपने दायित्व का निर्वाह कैसे करेंगे। 'साना साना हाथ जोडि' पाठ के आलोक में उतर लिखिए 5

खंड घ **अंक 20**

(लेखन)

14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 200 से 250 शब्दों में निबंघ लिखिए 10

क) मेक इन इंडिया

- भूमिका
- उक्ति का आशय
- पराधीनता काल में बदला परिदृश्य
- उद्‌यमी देश
- उपसंहार

ख) छात्र जीवन और योग

- भूमिका
- योग की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि
- योग भगाए रोग
- सम्पूर्ण विकास

- उपसंहार

ग) इंटरनेटः दिव्यास्त्र या विषबाण

- भूमिका
- विज्ञापन की अनुपम देन
- लाभ हानियां
- सावधानियां - क्या करें
- उपसंहार

15. आपकी छोटी बहन की पढाई के साथ-साथ चलने वाली अतिरिक्त गतिविधियों में भाग लेने में रुचि नही है। उसे पत्र द्वारा ऐसी गतिविधियों के लाभ बताते हुए। उनमें भाग लेने के लिए प्रेरित करें । 5

अथवा

अपनी कविता प्रकाशित करवाने के लिए संपादक महोदय को पत्र लिखिए

16 निम्नलिखित गद्यांश का एक तिहाई शब्दों में सार लिखते हुए उसका उचित शीर्षक भी लिखिए 5

छात्रों में अनेक बुराइयां कुसंगति के प्रभाव से उत्पन्न होती हैं। जो छात्र पहले पढाई में खूब रुचि लेता था किंतु अब सिनेमा देखने में मस्त रहता है, निश्चित ही यह कुसंगति का प्रभाव है। शुरु मे कोई छात्र उसे सिनेमा दिखाना प्रारंभ करता है, बाद मे उसे सिनेमा देखने की आदत पड जाती है। यही हालत घूम्रपान करने वालों की होती है। जब उन्हें घूम्रपान की आदत पड जाती है तब वह छूटने का नाम नहीं लेती। इसीलिए तो पंडित रामचंद्र शुक्ल ने कहा है कि कुसंग का ज्वर सबसे भयानक होता है, वह न केवल मान मर्यादा का विनाश करता है बल्कि सात्विक चित्तवृति को भी नष्ट कर देता है । जो भी कभी कुसंग के चक्कर में फंसा, नष्ट हुए बिना नहीं रहा। कुमार्गगामी दूसरे को भी अपने जैसा बना लेता है।

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र

संकलित परीक्षा - 2 (२०१६ - २०१७)

कक्षा - दसवीं

पाठ्यक्रम - हिंदी 'अ'

उत्तर संकेत

खंड क

(अपठित बोघ)

1. अपठित गद्यांश 1x5=5

(i) क) धैर्य और न्यूनतम आवश्यकता ।
(ii) ग) अपनी आवश्यकताओं को सीमित रखता है।
(iii) घ) कष्ट सहने की आदत।
(iv) ख) अपने उच्च विचारों के कारण।
(v) क) उदारता ।

2. अपठित गद्यांश 1x5=5

(i) ग) इंटरनेट जैसी अन्य तकनीक पुस्तकालयों को खत्म कर देगी ।
(ii) ग) सब्जियों की दुकान का ।
(iii) ख) साथ रहना ।
(iv) ख) सैंकडों हजारों किताबों के बीच होने का सुख ।
(v) ग) भारत के पुस्तकालयों पर ।

3. अपठित काव्यांश 1x5=5

(i) ख) सन्यास
(ii) ग) मानव जाति को सुखी बनाना
(iii) क) स्नेह तथा बलिदान से ।
iv) घ) धरती युद्ध के भय से मुक्त होगी।
v) ग) इक।

4. अपठित काव्यांश 1x5=5

(i) घ) वह कष्ट सहकर दूसरो को प्रकाश देता है ।
(ii) ख) दूसरो को दुख देता है ।
(iii) ग) उन्नति के लिए ।
iv) ग) विज्ञान के कारण होने वाले परिवर्तन ।
v) घ) समाज में हो रहे परिवर्तनों के अनुसार ।

खंड ख अंक 15

(व्यावहारिक व्याकरण) 1x3=3

5. रचना के आधार पर वाक्य भेद

क) परिश्रमी व्यक्ति के लिए कुछ भी असंभव नहीं है।

ख) जब शिक्षक कक्षा में आए तो छात्र चुप हो गए।

ग) बाग़ में मोहन ने रवि को देखा और आश्चर्यचकित हो गया ।

6. वाच्य 1x4=4

क) सरकार ने लोक कलाकारों का सम्मान किया । 1

ख) प्रेरणा से कभी चुप नहीं बैठा जाता । 1

ग) मेरे द्वारा प्रेमचंद का उपन्यास गोदान पढ़ा गया। 1

घ) तुमसे पढ़ा नहीं जाता। 1

7. पद परिचय 1x4=4

क) ताजमहल - व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्म कारक। 1

ख) यह - सार्वनामिक, विशेषण, पुस्तक विशेष्य, एकवचन, स्त्रीलिंग । 1

ग) की अपेक्षा - संबंधबोधक अव्यय, (तुलनात्मक) । 1

घ) शाबाश -विस्मयबोधक अव्यय, हर्ष बोधक। 1

8.रस 1x4=4

क) श्रृंगार रस को रसराज कहा जाता है । 1

ख) क्रोध - रौद्र रस, जुगुप्सा - वीभत्स रस। ½ x½=1

ग) वीर रस का उदाहरण 1

हे सारथे! हैं द्रोण क्या, देवेंद्र भी आकर अड़ें

है खेल क्षत्रिय बालकों का, व्यूह-भेदन कर लड़ें ।

मै सत्य कहता हूं सखे! सुकुमार मत जानो मुझे,

यमराज से भी युद्घ को, प्रस्तुत जानो मुझे ।

घ) रस के अंग - स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव, संचारी भाव। 1

खंड ग **अंक 35**

(पाठ्य पुस्तक)

9. क) अजमेर से पहले लेखिका के पिता इंदौर में रहते थे। वहां उनकी बडी प्रतिष्ठा, सम्मान एवं नाम था । 2

ख) लेखिका के पिताजी शिक्षा को केवल उपदेश की चीज नही समझते थे । वे उसे व्यावहारिक जीवन में अपनाते थे । उन्होंने दस-दस विधार्थियो को अपने धर में रखकर पढाया था। 2

ग) एक ओर वे बेहद कोमल और संवेदनशील व्यक्ति थे तो दूसरी ओर बेहद क्रोधी और अहंवादी 1

10. 2x5=10

क) स्त्रियों को शिक्षित करना अनर्थकारी है तथा गृह सुख का नाश करनेवाला है। यह धारणा पूरी तरह से गलत है।

ख) अविष्कर्ता किसी नई वस्तु का अविष्कार करता है। जिस योग्यता, प्रवृति या प्रेरणा के बल पर किसी वस्तु का अविष्कार हुआ वह व्यक्ति विशेष की संस्कृति है। जो चीज दूसरो के लिए अविष्कृत की, वह सभ्यता है।

ग) बिस्मिल्ला खां एक महान कलाकार थे। उन्होने अपनी कला को धनोपार्जन का माध्यम कभी नही बनाया। कला के प्रति उनके समर्पण को देखकर ही उन्हे देश के सर्वोच्च सम्मान 'भारत रत्न' से नवाजा गया ।

घ) पाठ का मूल संदेश यह है कि स्त्रियो को शिक्षित किया जाना आवश्यक है । प्राचीन परंपरा की दुहाई देकर उनको शिक्षा के अधिकार से वंचित नही किया जा सकता ।

घ) बिस्मिल्ला खां के व्यक्तित्व की विशेषताएं-

धार्मिक सौहार्द की भावना, सीधा- सरल जीवन, विनम्रता, प्रसिद्ध शहनाईवादक आदि ।

11.

क) गायन के समय संगतकार मुख्य गायक का साथ देता है । 1

ख) संगतकार अपनी आवाज को मुख्य गायक से नीची रखता है ताकि मुख्य गायक का महत्व कम न हो पाए । 2

ग) इस प्रकार की मनुष्यता वास्तव में परोपकार कहलाती है परंतु दुख की बात है कि आज के समय में यह उपहास का विषय बन गई है । ऐसी मनुष्यता दिखाने वाला कभी ऊपर नही उठ पाता । 2

12. 2x5=10

क) मां ने वस्त्रों और आभूषणों को शाब्दिक भ्रम कहा है। ये नारी जीवन के बंधन है। स्त्रियां वस्त्रों और आभूषणों की चकाचौंध में बंधकर अपना अस्तित्व ही खो देती है।

ख) वीर योद्धा की विशेषताएं - वीर व्यक्ति धैर्यवान और क्षोभ रहित होता है। वीर योद्‍धा अपनी वीरता का बखान अपने मुहं से नही करते। अपशब्दों का प्रयोग नही करते। युद्ध स्थल में वीरता का प्रदर्शन करते है।

ग) जीवन में सुख और दुख दोनों की उपस्थिती होती है । विगत के सुख को याद करके वर्तमान के दुःख को और गहरा करना तर्कसंगत नहीं है

घ) यद्धपि आधुनिक समय में स्त्रियों की दशा में सुधार हेतु अनेक कदम उठाए गए हैं, परंतु 'कन्यादान' कविता आज भी वर्तमान समाज का यथार्थ है। आज भी नारी का शोषण होता है।

ड) मेरे इस फरसे ने सहस्रबाहु की भुजाओं को काट डाला था। मेरे फरसे की कठोर आवाज तो गर्भ के बच्चो का भी नाश करने वाली है। उनके इन कथनो से उनके अहंकारी अभिमानी तथा क्रोधी स्वभाव का पता चलता है।

13. आजकल सैलानियों के कारण पहाडों आदि प्राकृतिक स्थलों पर वाहनों की आवाजाही काफी बढ गई है, जिससे वहां की वायु भी प्रदूषित होती है। जहां तक संभव हो सके, वहां तक पैदल यात्रा करना चाहिए तथा सार्वजनिक यातायात का प्रयोग करना चाहिए। वहां कूडा कचरा नहीं फैलाना चाहिए। लोगों को इस बारे में जागरुक करना चाहिए। 5

खंड घ **अंक 20**

(लेखन)

14. निबंघ लेखन 10

प्रस्तुति	1
भाषा - शुद्धता	2
वाक्य विन्यास	1
विषयवस्तु (संकेत बिंदुओ के आधार पर)	4
सम्रग प्रभाव	2

15. पत्र लेखन 5

प्रारंभ और अंत की औपचारिकताएं - 1 + 1		
विषयवस्तु	2	
भाषा शुद्धता	1	
16 सार लेखन		5
शीर्षक	1	
संक्षेपण (एक तिहाई शब्दो में)	2	
भाषा	2	